26.09.2017

'एनडीडीबी डेरी उत्कृष्टता पुरस्कार' - माननीय कृषि मंत्री जी का भाषण

मुख्यमंत्री गुजरात, अध्यक्ष एनडीडीबी और इस सभागार में उपस्थित सभी प्रतिभागियों का मैं इस समारोह में हार्दिक स्वागत करता हूँ|

यह अत्यंत गर्व की बात है कि हमारा देश पिछले दो दशकों से विश्व का सबसे बड़ा दूध उत्पादक है और इसका श्रेय हमारे देश के किसानों को जाता है ।चूँकि हमारे देश के दो तिहाई से अधिक नागरिक ग्रामीण क्षेत्रों में रहते हैं, इसलिए हमें अपने किसानों को अधिक समृद्ध बनाने की जरूरत है, जिसके लिए डेरी क्षेत्र महत्वपूर्ण है।

आणंद में उत्पादक केन्द्रित संस्थाओं की सफलता को देखते हुए, तत्कालीन प्रधानमंत्री, स्वर्गीय श्री लाल बहादुर शास्त्री जी ने देश भर में इन्हें दोहराने की इच्छा व्यक्त की थी । उनके इस विज़न को पूरा करते हुए उत्पादकों के स्वामित्व और उनके द्वारा नियंत्रित संगठनों को प्रोत्साहित करने और उन्हें आर्थिक सहायता देने के उद्देश्य से राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड की स्थापना की गई थी।एनडीडीबी ने अपनी शुरूआत से ही, 'ऑपरेशन फ्लड' सहित कई बड़े डेरी विकास कार्यक्रमों को देश में कार्यान्वित किया है। जिसके फलस्वरूप, जहाँ हमारे देश को दूध की मांग को पूरा करने के लिए आयात पर निर्भर रहना पड़ता था, वहां आज हम आत्मनिर्भर बन गए हैं तथा इस परिवर्तन को भारत की "श्वेत क्रांति" का नाम दिया गया है। भारत दूध उत्पादन में पहले नंबर है और विश्व के कुल दूध उत्पादन में 19

प्रतिशत का योगदान देता है। 2011-14 के सापेक्ष 2014-17 क दौरान डेयरी किसानों की आय में 13.79 की प्रतिशत की वृद्धि हुई है। दुग्ध उत्पादन जो कि वर्ष 2015-16 के दौरान 155.49 मिलियन टन थी, 2019-20 में उसे बढ़ाकर 200 मिलियन टन करने की योजना है। वर्तमान में राष्ट्रीय डेरी योजना (एनडीपी) और हाल ही में घोषित डेरी प्रसंस्करण और बुनियादी ढॉचा विकास निधि (डीआईडीएफ) के कार्यान्वयन में एनडीडीबी की भूमिका काफी अग्रणी है।

वर्तमान में राष्ट्रीय डेरी योजना (एनडीपी) और हाल ही में घोषित डेरी प्रसंस्करण और बुनियादी ढॉचा विकास निधि (डीआईडीएफ) के कार्यान्वयन में एनडीडीबी की भूमिका अग्रणी है। डीआईडीएफ के अन्तर्गत 2017-18 से 2019-20 तक कुल रू. 10,881 करोड़ की लागत से निम्नत कार्य योजनाएं प्रस्तावित हैं :

दुग्ध प्रसंस्कंरण संयंत्रों और मशीनरी का आधुनिकीकरण, दुग्ध प्रसंस्करण के लिए अतिरिक्त क्षमता का विकास, प्रसंस्कृत दुग्ध में नए उत्पादों के लिए क्षमता का विकास तथा निर्माता स्वामित्व और नियंत्रित संस्थानों को दूध का हिस्सा बढ़ाने में सहायता करना।

इसके अन्तर्गत राज्य डेयरी परिसंघों, जिला दुग्ध संघों, दुग्धो उत्पादक कम्पनियों, बहु-राज्य सहकारी समितियों और एनडीडीबी के सहायकों को 6.5% की दर पर उपरोक्ते कार्यों के लिए ऋण प्रदान किया जाएगा।

डीआईडीएफ का उद्देश्य है दूध को ठंढा रखने के लिए बुनियादी संरचना स्थापित करके और दूघ में मिलावट की जांच के लिए इलेक्ट्रानिक उपकरण स्थापित करके, प्रसंस्करण सुविधा का निर्माण/ आधुनिकीकरण/

विस्तार करके दूध की खरीद के लिए एक कारगर प्रणाली विकसित की जा रही है और दुग्ध संघों/ दुग्ध उत्पादक कंपनियों के लिए मूल्य संवर्धित उत्पादों के लिए शिक्षण संस्थान स्थापित करने पर जोर दिया जा रहा है।

'संकल्प से सिद्धि' मिशन के तहत, भारत छोड़ो आंदोलन की 75 वीं वर्षगांठ पर, हमारे प्रधान मंत्री के सक्षम नेतृत्व के अंतर्गत, केंद्र सरकार ने सन् 2022 तक हमारे किसानों की आय को दोगुना करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसके लिए हमने हाल ही में सात सूत्री रणनीति का अनावरण किया है, जो है :

(क) उत्पादन में वृद्धि, **(ख)** इनपुट सेवाओं का प्रभावी उपयोग, **(ग)** फसल की कटाई के बाद नुकसान में कमी, **(घ)** मूल्य संवर्धन, **(ड.)** विपणन में सुधार, **(च)** जोखिम कम करना **(छ)** डेरी, मधुमक्खी पालन आदि जैसी संबद्ध गतिविधियों को बढ़ावा देना। डेरी क्षेत्र में भी कई योजनाओं के माध्यम हम इसी दिशा में काम कर रहे हैं।

उत्पादन बढ़ाने के लिए एनडीपी का उद्देश्य दुधारू पशुओं की उत्पादकता को बढ़ाना है तथा इसके द्वारा दूध की बढ़ती हुई मांग को पूरा करने के लिए दूध उत्पादन बढ़ानाहै । कृत्रिम गर्भाधान के माध्यम से उच्च आनुवंशिक गुण वाले सांड़ों के वीर्य का उपयोग करके आनुवंशिक प्रगति में तेजी लाने और साथ ही किसानों को अपने पशुओं को संतुलित आहार देने से, उत्पादकता में वृद्धि अपेक्षित है । इनपुट के प्रभावी उपयोग हेतु संतुलित आहार को बढ़ावा देने के लिए एनडीपी की पहल से किसानों को कम आहार लागत के साथ उत्पादन को बढ़ाने में मदद मिलेगी ।

मूल्य श्रृंखला (value chain) में नुकसान को कम करने के लिए, एनडीपी और डीआईडीएफ में बल्क मिल्क कूलर लगाने की परिकल्पना की गई है जिससे दूध की हैंडलिंग के दौरान हानि और नुकसान को कम कने में सहायता मिलेगी | इसके अलावा, डीआईडीएफ योजना दूध प्रसंस्करण क्षमता के विस्तार और आधुनिकीकरण में सहायता करेगी जिससे उत्पादक संस्थाओं को किसानों से अधिक दूध प्राप्त करने और हैंडल करने में मदद मिलेगी।

मूल्य वृद्धि के लिए, डीआईडीएफ मूल्यवर्धित दूध उत्पादों के लिए उत्पादन सुविधाओं के निर्माण में सहायता प्रदान करेगा, जो दूध की बिक्री से प्राप्त राजस्व में वृद्धि करने में मदद करेगा।

उत्पादन में जोखिम को कम करने के लिए, देशी नस्लों को बढ़ावा देने की परिकल्पना है, क्योंकि इनमें जलवायु के अनुरूप ढलने और रोग प्रतिरोधक क्षमता है। संरक्षण और आनुवांशिक क्षमता को बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय गोकुल मिशन और एनडीपी के तहत सहायता प्रदान की जा रही है।

विपणन में सुधार के लिए, एनडीपी में उत्पादक केन्द्रित संस्थाओं के अंतर्गत दूध उत्पादकों के कवरेज का विस्तार करने में सहायता प्रदान करती है, क्योंकि ये दूध की मात्रा और गुणवत्ता के आधार पर दूध के मूल्य का निर्धारण करने हेतु एक उचित और पारदर्शी प्रणाली अपनाते हैं। डीआईडीएफ के अंतर्गत माप तथा परीक्षण उपकरण के माध्यम से इस उचित और पारदर्शी प्रणाली का विस्तार किया जाएगा। चूंकि डेरी स्वयंएक प्रमुख संबद्ध गतिविधि है, इससे दूध उत्पादन को बढ़ावा देने से किसानों की

आय में वृद्धि होगी| मुझे यह जानकर भी खुशी है कि डेरी उत्पादक संस्थाओं ने मधुमक्खी पालन को बढ़ावा देने के प्रयास शुरू किए हैं।

हमारा अनुभव यह बताता है कि डेरी विकास के लिए उत्पादक केन्द्रित संस्थाएं बहुत महत्वपूर्ण हैं। डेरी उत्कृष्टता पुरस्कारों का चयन निष्पक्षता से किया गया है तथा जिन उत्पादक केन्द्रित संस्थाओं ने संचालन, प्रशासन और समावेशन में उत्कृष्टता हासिल की है, उन्हें डेरी उत्कृष्टता पुरस्कारसे सम्मानित किया गया है। जहॉ विजेताओं को उनके प्रदर्शन को बनाए रखने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा, वहीँ यह उम्मीद है कि इन रोल मॉडलों से सीखकर अन्य को भी उत्कृष्टता प्राप्त करने की प्रेरणा मिलेगी ।

मैं एनडीडीबी डेरी उत्कृष्टता पुरस्कार के सभी विजेताओं को बधाई देता हूँ और आशा करता हूँ कि अन्य संस्थाएं भी इनका अनुकरण करेंगी।

मुझे पूरा भरोसा है कि हम सभी कृषि और डेरी उद्योग को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे ।इसके साथ मैं डेरी क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सभी प्रतिभागियों तथा आप सभी का धन्यवाद करता हूँ।

जय हिन्द ।

धन्यवाद ।